भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 226
मंगलवार, 05 अगस्त, 2025/14 श्रावण,1947 (शक) को उत्तरार्थ

भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की स्थापना

***226. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ीः**

क्या **सहकारिता** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की स्थापना के उद्देश्य और लक्ष्य क्या हैं; और
(ख) देश में इससे लाभान्वित होने वाले किसानों की संख्या का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) से (ख): सदन के पटल पर एक विवरणी रखी है ।

दिनांक 05 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, माननीय संसद सदस्य द्वारा "भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की स्थापना" के संबंध में पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 226 के भाग (क) से (ख) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क): सहकारिता मंत्रालय ने बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के अधीन भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की स्थापना की है जो 'भारत बीज' ब्रांड नाम के अंतर्गत उन्नत बीजों के उत्पादन, प्रापण और वितरण कार्य करेगा तथा और स्वदेशी प्राकृतिक बीजों के संरक्षण और संवर्धन की एक प्रणाली विकसित करेगा । BBSSL भारत में उन्नत बीजों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करेगा जिससे आयातित बीजों पर निर्भरता घटेगी, कृषि उत्पादन बढ़ेगा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति प्राप्त होगी, "मेक इन इंडिया" को बढ़ावा मिलेगा और आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर होगा ।

यह समिति भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों की विभिन्न योजनाओं और नीतियों का लाभ उठाकर बुनियादी और प्रमाणित, दोनों पीढ़ियों के बीजों के उत्पादन, परीक्षण, प्रमाणन, प्रापण, प्रसंस्करण, भंडारण, ब्रांडिंग, लेबलिंग और पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी । BBSSL सहकारी समितियों के नेटवर्क की शक्तियों का लाभ लेकर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगी । यह सहकारी समितियों के समावेशी विकास मॉडल के माध्यम से "सहकार से समृद्धि" के लक्ष्य की प्राप्ति में सहायक होगा जहां उन्नत बीजों के उत्पादन द्वारा बेहतर कीमतों की प्राप्ति, उच्च उपज किस्म (HYV) बीजों के उपयोग द्वारा फसलों के उत्पादन में वृद्धि के साथ BBSSL द्वारा उत्पन्न अधिशेष से संवितरित लाभांश से भी सदस्यों को लाभ होगा।

(ख): BBSSL द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार 1,40,000 से अधिक किसान इसके 'भारत बीज' उत्पादन और वितरण कार्यक्रमों के माध्यम से लाभान्वित हुए हैं ।

*****